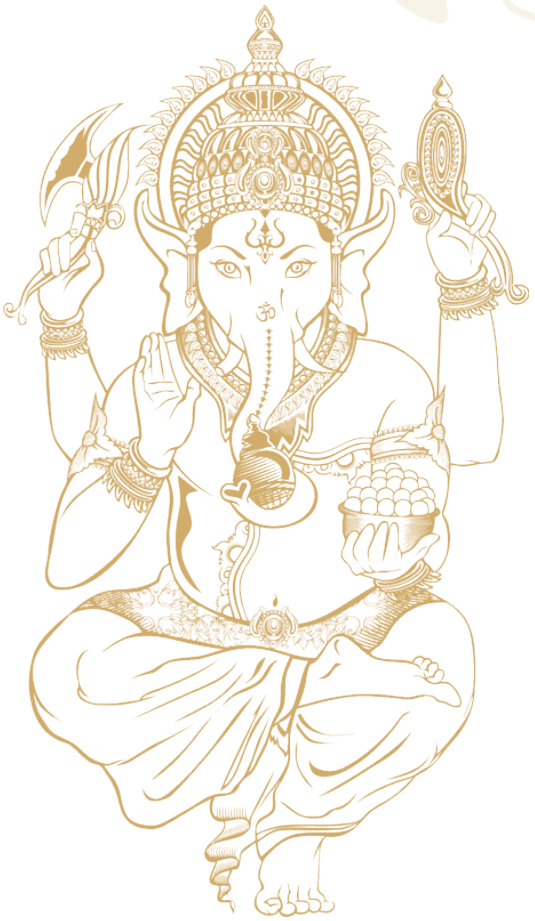

Mr Aditya Bajpai

08 Sep 1997

06:55 AM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121605711

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/09/1997**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**06:55:00 घंटे**
इष्ट	02:39:00 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:46:16 घंटे
वेलान्तर	00:02:16 घंटे
साम्पातिक काल	05:54:53 घंटे
सूर्योदय	05:51:23 घंटे
सूर्यास्त	18:20:59 घंटे
दिनमान	12:29:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:37:07 सिंह
लग्न के अंश	05:01:42 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वैधृति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजवन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:01:42	323:38:16	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			सिंह	21:37:07	00:58:16	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	स्वराशि
चंद्र			तुला	28:07:32	12:23:01	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	21:57:51	00:39:48	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
बुध	व		सिंह	09:10:33	00:17:36	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		मक	19:43:02	00:05:30	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	नीच राशि
शुक्र			तुला	01:28:16	01:10:06	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	25:23:31	00:03:29	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु			सिंह	25:55:12	00:00:34	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	25:55:12	00:00:34	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:26:13	00:01:38	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
नेप	व		मक	03:36:41	00:00:57	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:11:13	00:00:51	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	05:00:06	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:26

लग्न-चलित

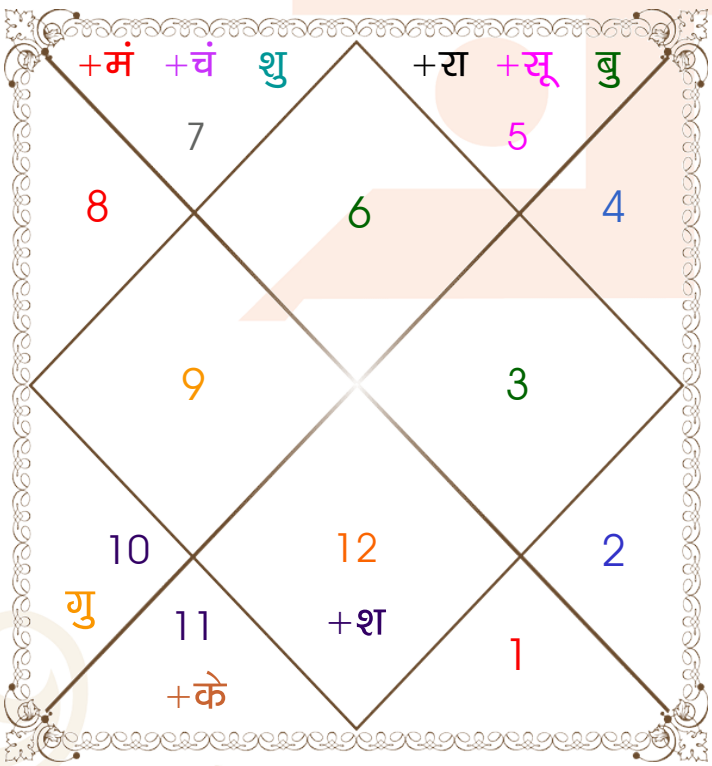

चन्द्र कुंडली

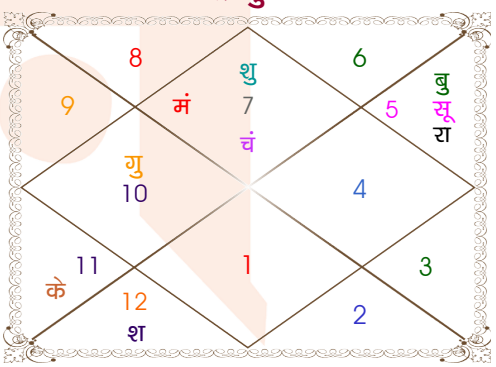

नवमांश कुंडली

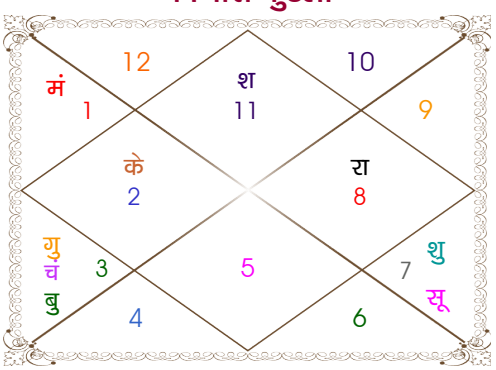

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 2 मास 30 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
08/09/1997		08/12/2003		08/12/2022		08/12/2039		08/12/2046	
08/12/2003		08/12/2022		08/12/2039		08/12/2046		08/12/2066	
	00/00/0000	शनि	11/12/2006	बुध	06/05/2025	केतु	06/05/2040	शुक्र	09/04/2050
	00/00/0000	बुध	20/08/2009	केतु	03/05/2026	शुक्र	06/07/2041	सूर्य	09/04/2051
	00/00/0000	केतु	29/09/2010	शुक्र	03/03/2029	सूर्य	10/11/2041	चंद्र	08/12/2052
	08/09/1997	शुक्र	29/11/2013	सूर्य	07/01/2030	चंद्र	12/06/2042	मंगल	07/02/2054
शुक्र	21/06/1998	सूर्य	11/11/2014	चंद्र	09/06/2031	मंगल	08/11/2042	राहु	07/02/2057
सूर्य	09/04/1999	चंद्र	11/06/2016	मंगल	05/06/2032	राहु	26/11/2043	गुरु	09/10/2059
चंद्र	08/08/2000	मंगल	21/07/2017	राहु	23/12/2034	गुरु	01/11/2044	शनि	08/12/2062
मंगल	15/07/2001	राहु	27/05/2020	गुरु	30/03/2037	शनि	11/12/2045	बुध	08/10/2065
राहु	08/12/2003	गुरु	08/12/2022	शनि	08/12/2039	बुध	08/12/2046	केतु	08/12/2066

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
08/12/2066		08/12/2072		08/12/2082		08/12/2089		09/12/2107	
08/12/2072		08/12/2082		08/12/2089		09/12/2107		00/00/0000	
सूर्य	28/03/2067	चंद्र	08/10/2073	मंगल	06/05/2083	राहु	20/08/2092	गुरु	27/01/2110
चंद्र	26/09/2067	मंगल	09/05/2074	राहु	24/05/2084	गुरु	14/01/2095	शनि	09/08/2112
मंगल	01/02/2068	राहु	08/11/2075	गुरु	30/04/2085	शनि	20/11/2097	बुध	15/11/2114
राहु	26/12/2068	गुरु	09/03/2077	शनि	09/06/2086	बुध	09/06/2100	केतु	22/10/2115
गुरु	14/10/2069	शनि	08/10/2078	बुध	06/06/2087	केतु	28/06/2101	शुक्र	09/09/2117
शनि	26/09/2070	बुध	09/03/2080	केतु	02/11/2087	शुक्र	27/06/2104		00/00/0000
बुध	03/08/2071	केतु	08/10/2080	शुक्र	01/01/2089	सूर्य	22/05/2105		00/00/0000
केतु	08/12/2071	शुक्र	09/06/2082	सूर्य	09/05/2089	चंद्र	21/11/2106		00/00/0000
शुक्र	08/12/2072	सूर्य	08/12/2082	चंद्र	08/12/2089	मंगल	09/12/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 2 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।